aglasem.com

FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2017 Question Paper · Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2017	Question Paper	Hindi Typing	14 Jan 2017

SHIFT
Shift 1

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript 14th Jan 2017 Shift 1
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2017-01-14 13:56:25
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	97359737
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	97359745
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	97359745
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 973597187 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript

Actual

Group Number :	2
Group Id :	97359738
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Mandatory Break time:	No
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	97359746
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	97359746
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 973597188 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

सबसे पहले सरकार को अपना ध्यान गरीबी दूर करने पर लगाना चाहिए। देश मे 80 करोड से ज्यादा गरीब हैं, लेकिन सरकार ने गरीबी की परिभाषा ऐसी कर रखी है कि यह संख्या एक-तिहाई रह जाती है। क्या 28 रुपए गांवों में और 32 रुपए रोज शहरों में कमाने वाले ही गरीब हैं। जो इससे तनिक भी ज्यादा कमाता है, क्या वह अमीर है, क्या 28 और 30 रुपए में किसी व्यक्ति के रोटी, कपडा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा और मनोरंजन की व्यवस्था हो सकती है। गरीबी की रेखा कम से कम 100 रुपए रोज पर खींची जानी चाहिए। दूसरा, सांसद से लेकर पंच तक जितने भी चुने हुए प्रतिनिधि हैं वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों-कॉलेजों में ही शिक्षा दिलवाये। यह नियम सरकारी अफसरों और कर्मचारियों तथा जजों पर भी लागू हो। इसी आशय का फैसला इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कुछ दिन पहले दिया है। गैर-सरकारी शिक्षा संस्थानों पर सरकार का नियंत्रण कुछ इस तरह हो कि उनकी स्वायत्तता तो बनी रहे, लेकिन वे लूट-पाट के केंद्र न बनें। तीसरा, यही नियम चिकित्सा के मामले में लागू हो। जन-प्रतिनिधि, सरकारी कर्मचारी और उनके परिजन सरकारी अस्पतालों में ही इलाज करवाएं। चौथा, देश के सारे काम-काज से अंग्रेजी की अनिवार्यता खत्म की जाए। अंग्रेजी के माध्यम से किसी भी विषय की पढाई नहीं की जाए। संसद में, सरकार में, अदालतों में अंग्रेजी के प्रयोग पर अर्थदंड हो। पांचवां, सरकारी नौकरियों में दिया जा रहा जातीय आरक्षण खत्म किया जाए। नौकरियां सिर्फ योग्यता के आधार पर दी जाएं। आरक्षण केवल 10वीं कक्षा तक शिक्षा में दिया जाए। वह भी जाति नहीं, जरूरत के आधार पर दिया जाए। जो भी वंचित, दलित, गरीब हो, उसके बच्चों को भोजन, वस्त्र, निवास और शिक्षा नि:शुल्क मिले। छठा, हमारे राजनीतिक दलों, नेताओं व अफसरों के आय-व्यय का सारा हिसाब प्रतिवर्ष सार्वजनिक किया जाए। ताकि भ्रष्टाचार पर कुछ नियंत्रण हो सके। सातवां, आयकर के स्थान पर व्यय कर लगाएं। आमदनी नहीं, खर्च पर रोक लगे। ऐसा करके सरकार उस भारतीय जीवन-व्यवस्था को प्रोत्साहित कर सकती है, जो 'त्याग के साथ भोग' का आदर्श उपस्थित करती है। यह हमें अमेरिकी उपभोक्तावाद की नकल से मुक्त करेगी। हमारी सरकार के पास मौलिक विचारों का अभाव है। हमारे नेता नौकरशाहों की नौकरी करते हैं। वे विदेशी विचारों को जस के तस निगल लेते हैं। इससे बचने की जरूरत है। आठवां, केंद्र सरकार को चाहिए कि वह यूरोपीय संघ की तरह दक्षिण और मध्य एशिया के सभी देशों का एक महासंघ स्थापित करें।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard